भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2281

उत्तर दिनांक 20/03/2025 को दिया गया

अमेरिका के साथ परमाणु ऊर्जा से संबंधित समझौते

2281. श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) तीन भारतीय संस्थाओं को अमेरिकी प्रतिबंध सूची से हटाए जाने के मद्देनजर क्या सरकार भारत में परमाणु ऊर्जा के अनुसंधान एवं विकास के लिए अमेरिकी सरकार और निजी कंपनियों के साथ सहयोग कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण खनिजों को सुरक्षित करने और स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाएं स्थापित करने की दिशा में क्या प्रगति हुई है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) व (ख) (1) भारत सरकार ने आपसी लाभ के शांतिपूर्ण उद्देश्यों के संबंध में "विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग" के लिए अमेरिकी सरकार के साथ एक व्यापक समझौता किया है। इसके तहत, त्वरक एवं कण संसूचक अनुसंधान और खोज विज्ञान के विकास क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत और अमेरिका के बीच विभिन्न क्रियान्वयन समझौतों (आईए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। आईए की परियोजना परिशिष्ट-1 दोनों देशों में अनुसंधान, डिजाइन और विकास, बुनियादी ढांचे के विकास और उच्च तीव्रता वाली अतिचालक रेडियो आवृत्ति रैखिक प्रोटॉन त्वरक के निर्माण सहित सहयोग के लिए प्रचालनरत है। परियोजना परिशिष्ट-2 फर्मिलैब और डीएई प्रयोगशाला और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के बीच न्यूट्रिनो भौतिकी प्रयोग के लिए एक रूपरेखा स्थापित करने के लिए हस्ताक्षरित की गई है।

(2) विभाग ने लिगो परियोजना के अन्तर्गत भारत में एक उन्नत गुरुत्वाकर्षण तरंग संसूचक की स्थापना के लिए यूएस नेशनल साइंस फाउंडेशन, कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के साथ समझौता किया है।

(3) टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) ने कैंसर देखभाल से संबंधित अध्ययनों के लिए चिल्ड्रन ऑन्कोलॉजी ग्रुप, सेंट जूड ग्लोबल अलायंस, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, रेजोनेंस इंक., एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर, यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के साथ समझौता किया है।

(4) भौतिकी संस्थान (आईओपी) ने ब्रुकहेवन नेशनल लेबोरेटरी (बीएनएल), यूएसए के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

(5) परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन केंद्र (वीईसीसी) ने एसटीएआर प्रयोग (बीएनएल सुविधा) और इसके डेटा विश्लेषण में उच्च ऊर्जा भारी आयन संघट्टन का उपयोग करके क्यूजीपी खोज और संबंधित गतिविधियों के लिए ब्रुकहेवन साइंस एसोसिएट, एलएलसी के साथ बिना स्वामित्व वाला उपयोगकर्ता समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

(ग) खनिज सुरक्षा साझेदारी (एमएसपी) का हिस्सा होने के नाते, भारत महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति के नए स्रोतों की व्यवहार्यता की खोज करने हेतु एमएसपी सदस्यों के साथ बैठकों में भाग ले रहा है, जिसका अमेरिका भी एक सदस्य है।

*****